भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 53

07 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

आरआईएनएल को पुनर्जीवित किया जाना

53. श्री ए. डी. सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आरआईएनएल के पुनरुज्जीवन की प्रक्रिया क्या है;

(घ) इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ड.) क्या सरकार पुनरुज्जीवन योजना के अंतर्गत आरआईएनएल को कैप्टिव माइन्स आवंटित करने का विचार रखती है; और

(च) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री एच.डी. कुमारास्वामी)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

श्री ए.डी. सिंह, संसद सदस्य द्वारा 'आरआईएनएल को पुनर्जीवित किया जाना' के संबंध में दिनांक 07.02.2025 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *53 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ): भारत सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड(आरआईएनएल), को एक कार्यशील व्यवसाय के रूप में जारी रखने के उद्देश्य से, आरआईएनएल में इक्विटी पूंजी के रूप में ₹10,300.00 करोड़ के निवेश (सितंबर, 2024 में आपातकालीन निधि के रूप में पहले से उपलब्ध कराए गए ₹500.00 करोड़ सहित) तथा ₹1140.00 करोड़ के कार्यशील पूंजी ऋण के 10 वर्ष के उपरांत मोचनीय 7% असंचयी अधिमानित शेयर पूंजी के रूप में संपरिवर्तन को अनुमोदन प्रदान किया है। जनवरी, 2025 में आरआईएनएल के लिए ₹6783.00 करोड़ की राशि जारी की गई है। शेष ₹3017.00 करोड़ की राशि को अक्टूबर, 2025 तक तिमाही हिस्सों में जारी किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा आरआईएनएल में इक्विटी निवेश इसे एक कार्यशील व्यवसाय के रूप में जारी रखने के उद्देश्य से किया गया है।

(ड.) और (च): आरआईएनएल के पास आंध्रप्रदेश के जग्गयापेटा में लाइमस्टोन, तेलंगाना के मधरम में डोलोमाइट तथा आंध्रप्रदेश के गर्भम में मैंगनीज अयस्क की कैप्टिव खदाने हैं। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल की स्टैप डाउन सहायक कंपनी द उड़ीसा मिनरल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी) के पास ओडिशा के क्योंझर जिले में लौह अयस्क तथा मैंगनीज अयस्क की 03 खदानें हैं यथा बगियाबुरू लौह अयस्क खदान; बेलकुंडी लौह एवं मैंगनीज अयस्क खदान; तथा भद्रासाही लौह एवं मैंगनीज अयस्क खदान।

*****